इनोवेशन प्रगति की आधारशिला : मनोज सिन्हा

आईआईटी बीएचयू में ग्लोबल एल्युमनाई मीट का समापन, पुरातन छात्रों का सम्मान, जल्द शुरू होगा डिग्री प्रोग्राम

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में चार दिवसीय ग्लोबल एल्युमनाई मीट के समापन समारोह में पुरातन छात्रों को पुरस्कृत किया गया। बतौर मुख्य अतिथि संस्थान के पुरातन छात्र और रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने इनोवेशन पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति की आधारशिला इनोवेशन होती है। इससे संस्थान को नई पहचान मिलती है। इसको जारी रखने की जरूरत है। बिना इसके कोई भी देश और संस्थान आगे नहीं बढ़ सकता है।

स्वतंत्रता भवन में आयोजित समारोह में उन्होंने टॉप 200 में आईआईटी का नाम दिलाने के लिए युवाओं से प्रयास करते रहने का आह्वान किया। कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि नौकरी खोजने के अवसर तलाशने के बजाय लोगों को रोजगार दिलाने वाले उद्यमी तैयार करना समय की मांग है।

5जी के ट्रायल के लिए आईआईटी का चयन किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि इंडस्ट्री के साथ मजबूत पार्टनरशिप करना भी समय की मांग है। इस दौरान उन्होंने पुरातन छात्रों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत भी किया। विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. राकेश भटनागर ने बीएचयू और आईआईटी (बीएचयू) को साथ मिलकर डिग्री प्रोग्राम शुरू करने और शोध करने पर जोर दिया।

निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने संस्थान में चल रहे इनोवेशन, स्टार्टअप और रिसर्च की जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के चेयरमैन नितिन मल्होत्रा और धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता (रिसोर्स एंड एलुमनाई) प्रोफेसर अनिल कुमार त्रिपाठी ने किया। इस दौरान प्रो. राजीव प्रकाश, कुलसचिव डॉ. एसपी माथुर, प्रो. पीके मिश्रा, प्रो. बीएन राय आदि लोग मौजूद रहे।

आईआईटी बीएचयू में रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा को सम्मानित करते निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन, साथ में कुलपति प्रो. राकेश भटनागर। अमर उजाला

स्वतंत्रता भवन में लगे प्रदर्शनी को देखते रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा। अमर उजाला

'कुटनीति हो प्रखर तो विश्व फिर झुक जाएगा...'

ग्लोबल एल्युमनी मीट के तीसरे दिन आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से सामाजिक समरसता बनाए रखने के साथ ही बसंत पंचमी से लेकर फागुन तक के मौसम का वर्णन किया। स्वतंत्रता भवन में आयोजित सम्मेलन में कवि शशांक चतुर्वेदी ने कुटनीति हो प्रखर तो विश्व फिर झुक जाएगा, बुद्धिजीवी का पलायन सर्वथा रूक जाएगा। बाराबंकी से आए प्रियांशु गजेंद्र ने कागज की धरती पे अनंग ने फूलों के रंग बंसत लिखा है की प्रस्तुति की। कवि राधाकांत पांडेय ने यदि कभी साथ सत्यता का दे सको न आप, शुद्ध भावना रखो अशुद्ध मत बोलना कविता के माध्यम से सत्य बोलने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली से गजेंद्र सोलंकी ने कभी सागर की गहराई में जाने की तमन्ना है कविता पढ़ी। सम्मेलन में निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन के साथ ही पुरातन छात्र मौजूद रहे।

मंत्री ने चलाई इलेक्ट्रिक कार

आईआईटी बीएचयू के छात्रों द्वारा बनाई गई इलेक्ट्रिक कार आयन (आईओएन) वी 1.0 को रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने चलाया। उन्होंने प्रदूषण मुक्त इस कार को बनाने वाली टीम क्लीन इलेक्ट्रिक के इस प्रयास को सराहा और आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। इलेक्ट्रिक कार में लगी बैटरी चार से पांच घंटे में चार्ज होगी, इसके बाद 120 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। टीम के सदस्य सुदीप्त दास, प्रवीण कुमार यादव, प्रियांशु सिंह, संजय तांती आदि ने मनोज सिन्हा को बताया कि एक यूनिट में आठ से नौ किलोमीटर की दूरी तय करने के साथ ही कार पर 700 किलोग्राम तक का वजन ले जाया जा सकेगी। कार को बनाने में निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन, डीन (रिसर्च एंड डेवलेपमेंट) प्रो. राजीव प्रकाश, माइनिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय कुमार शर्मा, प्रो. लालटू चंद्रा, प्रो. तरूण वर्मा, प्रो. श्याम कमल आदि का विशेष योगदान रहा।

जल्द दूर होगी फेकेल्टी की कमी, सुविधाएं भी बढ़ेगी

आईआईटी बीएचयू के विभिन्न विभागों में फैकेल्टी की कमी को जल्द ही दूर करा लिया जाएगा। इसके साथ ही विदेशों में कार्यरत संस्थान के पुरातन छात्रों को विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में जोड़ने का भी प्रयास होगा, ताकि लाभ छात्र-छात्राओं को मिले। एल्युमनी मीट समापन समारोह के बाद आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि फैकेल्टी की कमी पूरा करने के साथ ही सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी।

बीएचयू और कार्लस्टाड विवि के बीच शैक्षिक समझौता

बीएचयू और स्वीडन के कार्लस्टाड विश्वविद्यालय के बीच सोमवार को शैक्षिक समझौता हुआ। स्वीडन से आए प्रो. पीटर ओलसन ने कुलपति प्रो. राकेश भटनागर से मुलाकात कर छात्रों और शिक्षकों के बीच समान शैक्षणिक कार्यक्रम और पाठयक्रम चलाए जाने पर चर्चा की। जिस पर कुलपति ने अपनी सहमति भी दी। बीएचयू स्थित यूनेस्को शांति पीठ एवं मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र के करीब दर्जन भर छात्र और शोध छात्र स्वीडन में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और स्वीडन से आए हुए कई छात्र, शिक्षक भी बीएचयू आ चुके हैं।